ग्रस्त तथा सूखा क्षेत्रों के लिये बीजों की सप्लाई के बारे में बातचीत की है तथा इस बारे में कुछ कदम उठाये जा रहे हैं। इसी महीने की 19 तारीख को राज्यों के खाद्य मन्त्री यहां आ रहे हैं उनसे मैं इस बारे में बातचीत करुगां कि हम इस बारे में उनकी आवश्यकताओं को कहाँ तक पूरा कर सकते हैं। चारे के सम्बन्ध में भी यह सुनिश्चित किया जायेगा कि यह आवश्यकता कहां तक पूरी की जा सकती है।

कई राज्यों ने रिगों की सप्लाई की भी मांग की है। हम यह प्रयत्न कर रहे हैं कि जिन राज्यों में मौसम पर भरोसा किया जा सकता है उनसे ऐसे राज्यों को तुरन्त रिग सप्लाई कराये जायें।

श्री वी० एन० रेड्डी (निरपाल गूडा) : आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य में पड़े अकाल के बारे में भारी चिन्ता व्यक्त की है। केन्द्र सरकार उसकी क्या सहायता करने जा रही है ?

श्री फखरुद्दीन अली अहमद : मैंने कहा था कि आंध्र प्रदेश से भी अभ्यावेदन आया है। उस सम्बन्ध में भी आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं।

राहत कार्य करने के लिये प्रारम्भिक उत्तरदायित्व तो सम्बद्ध राज्यों का है। वित्त आयोग पंचाट के अनुसार राज्य सरकारों के पास कुछ धनराशि ऐसी होती है जो आवश्यक सहायता के लिये केन्द्र सरकार से मांगने से पहले ही राज्य सरकार को व्यय करनी पड़ती है। यह धन-राशि समाप्त होने के बाद ही कोई राज्य सरकार केन्द्र से सहायता मांग सकती है। केन्द्रसरकार अपना अध्ययन दल वहाँ भेजता है जो यह पता लगाता है कि वास्तविक व्यय की राशि क्या है तथा केन्द्र को कितने प्रतिशत राशि देनी है। किन्तु हमें उस दल के निर्णय की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। जब हमें कोई अभ्यावेदन प्राप्त होता है तथा यदि कहीं किसी प्रकार का कष्ट होता है तो हम ऋण के रूप में सहायता दे देते हैं। जिसे बाद में सहायता के नियमों के अन्तर्गत उस राज्य को सहायता दे दी जाती है।

पाकिस्तान के सैनिक शासन द्वारा शेख मुजीबुर्रहमान पर मुकदमा चलाये जाने के समाचार के बारे में वक्तव्य

STATEMENT RE ; REPORTED TRIAL OF SHEIKH MUJIBUR REHMAN BY THE MILITARY REGIME OF PAKISTAN.

श्री एस० एम० बनर्जी (कानपुर) : क्योंकि आज इस सत्र का अन्तिम दिन है। अत: संकल्प तो पेश नहीं किया जा सकता फिर भी मैं आपके द्वारा प्रधान मंत्री से अनुरोध करुंगा कि वे शेख मुजीबुर्रहमान की सुरक्षा के बारे में एक वक्तव्य दे ताकि संसार को भी पता लगे कि हमारी संसद को भी शेख की उतनी ही चिन्ता है। उनकी अर्थ बंगला देश में संसदीय तो और धर्म निर्पेक्षता की

प्रधान मंत्री, परमाणु ऊर्जा मंत्री, गृह मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गाँधी) : मैं उस पर पश्चिमी पाकिस्तान से आ रहे समाचारों के सम्बन्ध में सदस्यों की गहरी चिन्ता, उद्देश्य और मानसिक व्यथा को पूरी तरह समझती हूं।

अनेक सदस्यों ने विदेशों में विभिन्न संगठनों और संसदों को तारें भेजकर और साथ ही भारत सरकार की ओर से संयुक्त राष्ट्र महासचिव को भी इस बारे में लिखा गया है। स्वयं मैंने भी कई बार विभिन्न राज्याध्यक्षों और प्रधान मंत्रियों को शेख मुजीब को बचने के लिये अपनी ओर से भरसक प्रयत्न करने के लिये लिखा है। संसद शायद यह चाहती है कि संसद में एक संकल्प पारित किया जाना चाहिये परन्तु यह भी समझा जाता है कि इससे हम अपनी तीव्र भावनाओं को दुहराने के अतिरिक्त और कोई प्रयोजन पूरा नहीं कर पायेंगे।

पाकिस्तान में जिस प्रकार का सैनिक शासन है वह हमारे संकल्प पारित करने से जनता की किसी आवाज की ओर कोई ध्यान देने वाला नहीं है। यह शायद कुछ सरकारों द्वारा दबाव डालने से ही हो सकता है और हम इसके लिये हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं।

हमें यह भी विचार करना है कि जो कदम हम उठाते हैं उससे कही कोई हानि न हो। हम जानते हैं कि सैनिक शासन द्वारा कहा जा रहा है कि शेख मुजीब भारत से बहकावे पर कार्य कर रहे हैं और यह कि हम उसे प्रोत्साहत दे रहे हैं इसी प्रकार कई अन्य निराधार आरोप भी लगाये जा रहे हैं।

हम कभी कभी अपने भाषणों में पश्चिमी पाकिस्तान का उल्लेख करते हैं। अब हमें हर पश्चिमी पाकिस्तान की जनता, जिसके साथ हमारा कोई विवाद नहीं है, और सैनिक शासन, जो बंगला देश में हो रहे अत्याचारों और नृशंस हत्याकाण्डों के लिये जिम्मेदार है, और जो पश्चिम पाकिस्तान के विभिन्न प्रांतों में भी जनता के वैध राजनीति अधिकारों का दमन कर रहा है, के बीच अन्तर को स्पष्ट करना चाहिये।

जहां तक शेख मुजीब पर चलाये जा रहे मुकदमें के बारे में हमारे विचारों पर अन्य देशों की प्रतिक्रिया का सम्बन्ध है, कई देशों ने हमें लिखा है कि ने हम मामले को अपने हाथ में ले रहे हैं या पहले ही ले लिया है।

मुझे खुशी है कि इस मामले पर सभा में इतने मतैकय का प्रदर्शन न किया गया है क्योंकि इससे हमें अत्यधिक सहायता मिलेगी। इस बारे में हमारी रुचि केवल शेख मुजीव के प्रति हमारे दृष्टकोण के कारण ही नहीं है अपितु इसलिये भी है कि पाकिस्तानी तानाशाहों की इस कार्य-वाही से न केवल बंगला देश को बल्कि हमारे देश पर भी प्रभाव नहीं पड़ेगा अपितु, समूचा विश्व इससे प्रभावित होगा।

अध्यक्ष महोदय : अब सभा अनिश्चित काल के लिये स्थगित की जाती है। मैं आपके सुखद तथा हर्षपूर्ण अवकाश की कामना करता हूं। अब हम नवम्बर में किसी समय पुन: मिलेंगे।

इसके पश्चात लोक-सभा अनिश्चित काल के लिये स्थगित हुई।

The Lok Sabha then adjourned sine die.

Ashoka Printing Works, Modinagar